५. हारना भी हिम्मत का काम है ...

– शरबानी बैनर्जी

परिचय

परिचय : आप हिंदी की प्रसिद्‌ध लेखिका हैं । आपके लेखन में मनुष्य के जीवन में आने वाली सामान्य समस्याओं की चर्चा एवं मार्गदर्शन होता है ।

गद्‌य संबंधी

इस आलेख में लेखिका का मानना है कि असफलता को स्वीकार कर लगातार कोशिश करने वाला अवश्य सफल होता है । असफल होने पर बैठकर रोने की जगह उसके कारणों पर विचार कर उसे दूर करना आवश्यक है । ऐसा करने से सफलता व्यक्ति के कदम चूमती है ।

मौलिक सृजन

'मैं यातायात के नियमों का पालन इस प्रकार करूँगा/करूँगी'– इस संदर्भ में अपने विचार लिखो ।

माइकल जॉर्डन कहते हैं, ''मैं असफलता को स्वीकार कर सकता हूँ । हर कोई कभी न कभी असफल जरूर होता है, लेकिन मैं कोशिश करना नहीं छोड़ सकता । बात सही भी है । एक हार की वजह से जो कोशिश करना छोड़ देते हैं, वे कभी सफल हो भी नहीं सकते और जो हार से बिना डरे लगातार कोशिश करते हैं, वे एक न एक दिन जरूर जीतते हैं ।''

मैं फेल होने से बहुत डरती थी । लगता था कि फेल होने के बाद आगे पढ़ने का कोई हक नहीं है । जब १२ वीं कक्षा में थी तो लंबी बीमारी के चलते परीक्षा पास नहीं कर पाई । नतीजा पता होने के बावजूद परीक्षा परिणाम घोषित होते ही दिल टूट गया । चार घंटे तक रोई और फिर थक कर सो गई । उठने के बाद महसूस हुआ कि मैंने ऐसा कुछ नहीं खोया है, जिससे जीना छोड़ दूँ । तुरंत पापा से दो चीजों की माँग की । एक तो मेरा विद्‌यालय चेंज कराने के लिए कहा और दूसरा विज्ञान की जगह वाणिज्य में प्रवेश लेने की बात कही । हालाँकि पापा ने १२ वीं में आकर विषय न बदलने की सलाह दी लेकिन यह फैसला मेरे अंतर्मन का था । उसी पर टिकी रही । अगले साल प्रथम श्रेणी से १२ वीं पास की । इस घटना से मैंने एक सीख ली कि जिंदगी में कभी हार से घबराना नहीं चाहिए क्योंकि हर असफलता के बाद निश्चित रूप से सफलता मिलती है ।

सिखाती है असफलता

अगर असफलता को अपनी हार से न जोड़कर उससे सीखा जाए तो नाकामयाबी से बड़ा गुरु और कोई नहीं हो सकता क्योंकि जब आप जिंदगी में पीछे मुड़कर देखते हैं तो वही असफलताएँ अनुभव बन आपको अनुभवी की पदवी देती हैं । कक्षा में फेल होने के कुछ दिन बाद जब मैंने अपनी स्थिति का आकलन किया तो पाया कि यदि उस वक्त १२ वीं कक्षा में मैं किसी तरह उत्तीर्ण हो भी जाती तो तृतीय श्रेणी से ज्यादा नहीं ला पाती । उतने खराब अंकों के साथ मुझे किसी अच्छे कॉलेज में प्रवेश नहीं मिलता । पूरा करिअर दाँव पर लग जाता, लेकिन एक असफलता ने मुझे दोबारा १२ वीं की परीक्षा देने का मौका दिया । मुझे सही दिशा मिली तो अंक अच्छे आए और जिंदगी में आगे बढ़ने का हौसला भी मिला ।

असफलता व्यक्ति को सोचने और आत्म अवलोकन करने के लिए प्रेरित करती है । इससे व्यक्ति को गलतियों का अहसास होता है और उन्हें सुधारने का मौका भी मिलता है । इससे उसमें विनम्रता बढ़ती है । बिल गेट्स कहते हैं, ''सफलता का जश्न मनाना बुरी बात नहीं लेकिन जो असफलता याद रखते हैं, वे दूसरों को उन गलतियों को करने से न केवल रोकते हैं, बल्कि वे अधिक विनम्र भी होते हैं ।''

सफलता अंतिम सत्य नहीं

विंस्टन चर्चिल ने एक बात बहुत अच्छी कही थी-''सफलता अंतिम सत्य नहीं होती, असफलता कभी घातक नहीं होती लेकिन असफल होने के बाद भी आगे बढ़ते रहना ज्यादा मायने रखता है । इसी में जिंदगी का फलसफा छिपा हुआ है ।'' देखा जाए तो बात सच भी है । एक ही बार में मिली सफलता का वो स्वाद नहीं होता जो असफलता के बाद की मिली सफलता का होता है । वैसे भी एक सफलता, जिसे मंजिल भी कहा जा सकता है, के बाद दूसरे लक्ष्य के लिए तो फिर से जुटना ही पड़ता है, इसलिए एक बार मिली सफलता पर घमंड नहीं होना चाहिए ।

एक बार में सफल होना बुरी बात नहीं है लेकिन उसके बाद खुद को गुमान से दूर रखना चाहिए । ठीक उसी तरह एक बार मिली असफलता से रुक जाना भी अच्छी बात नहीं । जीवन हमें निरंतर बढ़ना सिखाता है । नदी की राह में भी कई अवरोध आते हैं, लेकिन नदी बहना नहीं छोड़ती । वह किसी न किसी तरह अपनी राह बना ही लेती है । लहरें या तो पत्थर को काट देती हैं या फिर अपनी राह बदल लेती हैं, लेकिन बहना नहीं छोड़तीं । असफल होने के दो ही कारण हो सकते हैं । खुद में कमियाँ होना या सही तरीका न अपनाना, इसलिए असफल होने की स्थिति में दुखी होने की जगह स्थिर होकर सोचना चाहिए कि असफलता के कारण क्या थे ? यदि खुद की कमियाँ इसके लिए जिम्मेदार हों तो उन पर काम करना चाहिए और यदि रास्ता गलत लगे तो मंजिल को हासिल करने के लिए रास्ता बदलने में भी कोई बुराई नहीं है । बस, रुक जाना गलत बात है ।

लोग कुछ नहीं कहेंगे

असफलता के साथ सबसे बड़ा जो डर जुड़ा होता है, वह है कि लोग क्या कहेंगे । दरअसल, हर व्यक्ति को अपनी छवि प्यारी होती है । उसमें हल्का-सा दाग भी उसे बर्दाश्त नहीं होता । असफलता को भी आम व्यक्ति दाग की तरह ही मानते हैं, जबकि वह केवल सफलता की ओर बढ़ने का पायदान मात्र है । बड़े वैज्ञानिक, जिनकी खोज

संभाषणीय

'असफलताएँ मनुष्य को अपनी कमियों का अहसास दिलाती हैं,' इस तथ्य पर कक्षा में चर्चा करो ।

पठनीय

एवरेस्ट की चोटी पर चढ़ने वाले किसी पर्वतारोही के रोचक अनुभव पढ़ो ।

सफल होने से पहले लोगों ने बेहद दुत्कारा था, अगर उसी वक्त लोगों की बातों को अपने ऊपर हावी होने देते तो वे कभी आगे नहीं बढ़ पाते। चर्चिल ने एक और बहुत अच्छी बात कही थी–''एक असफलता से दूसरी असफलता तक पूरे उत्साह से पहुँचने वाला ही सफलता तक पहुँच पाता है।'' दुनिया की सबसे ताकतवर पत्रिका फोर्ब्स के मालिक माल्कॉम फोर्ब्स ने कहा था, ''असफलता ही सफलता है–यदि हम उससे सीख ले सकें तो। यानी अपनी असफलता से जो व्यक्ति सीख ले लेता है, उसका सफल होना निश्चित है।'' लब्बोलुआब यह कि असफलता की स्थिति का सही आकलन करें तो सफलता का रास्ता बेहद आसान हो सकता है बशर्ते व्यक्ति पूरे जोश और जुनून से अपनी असफलताओं से सीखते हुए और उनसे प्रेरणा लेते हुए आगे बढ़े। जो व्यक्ति अपनी असफलता के कारण खोज लेते हैं, उन्हें सफलता का रास्ता खुद ब खुद मिल जाता है। इसलिए असफलता को घृणा से नहीं, बल्कि सम्मान के साथ स्वीकार करना चाहिए।

— ० —

लेखनीय

''निरंतर अभ्यास मनुष्य के कार्यों को परिपूर्ण बनाता है'' इस पर संक्षेप में अपने विचार लिखो।

श्रवणीय

परिपाठ के कालांश में सर्वधर्मसमभाव संबंधी कोई प्रार्थना सुनो और उसका सामूहिक गायन करो।

शब्द वाटिका

फैसला = निर्णय
फलसफा = तर्कविद्‍या, दर्शन
हौसला = हिम्मत
गुमान = अभिमान, घमंड
जश्न = उत्सव
अवरोध = बाधा
पायदान = सीढ़ी

मुहावरा

दिल टूटना = निराश होना
दाँव पर लगाना = बाजी लगाना

*** सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण करो :–**

(१) संजाल पूर्ण कीजिए :

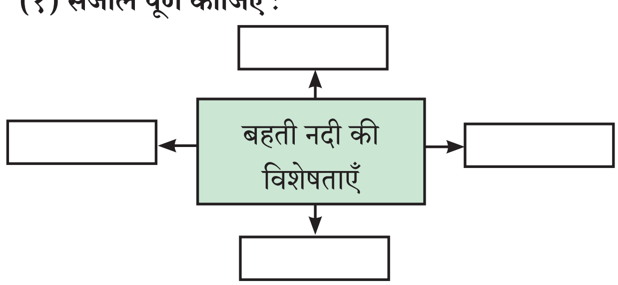

(२) कारण लिखो :

१. नाकामयाबी से बड़ा गुरु कोई नहीं होता -------

२. असफलता के दो कारण -------

(३) कृति पूर्ण करो :

१. विंस्टन चर्चिल द्वारा कही हुई अच्छी बातें –

----

२. असफलता से प्राप्त प्रेरणाएँ –

भाषा बिंदु

शब्द समूह के लिए एक शब्द लिखो :

१. पथ को दर्शाने वाला – ....

२. संकुचित वृत्ति वाला – ....

३. सदैव घूमने वाला – ....

४. सौ वर्षों का काल – ....

उपयोजित लेखन

पत्र लिखो :

छात्रावास में रहने वाले अपने छोटे भाई/बहन को अध्ययन तथा अपने स्वास्थ्य की ओर ध्यान देने की सलाह देते हुए दिए गए प्रारूप में पत्र लिखो ।

MHJHNQ

दिनांक : ....

संबोधन : ....

अभिवादन : ....

प्रारंभ :

विषय विवेचन :

तुम्हारा/तुम्हारी,

....

नाम : ....

पता : ....

ई–मेल आईडी : ....

मैंने समझा

स्वयं अध्ययन सफल महिला उद्‌यमियों की जानकारी प्राप्त कर सचित्र संकलन करो ।